Today's Poem – 06.04.2014

बाबा कहते हैं याद से याद है मिलती

जो बच्चे प्यार से बाप को याद करते हैं, उनकी कशिश बाप को भी है होती

परिपक्व अवस्था की निशानी

सब कर्मेन्द्रियाँ शीतल है हो जानी

अवस्था अचल-अडोल बन जायेगी

21 २१ जन्मों के लिए कर्मेन्द्रियाँ वश हो जाएँगी

योगबल से कर्मेन्द्रिय जीत बन सम्पूर्ण पवित्र बनना है

इस अवस्था को पाने के लिए अपनी जांच करते रहना है

हम ही ब्राह्मण सो देवता

जो एवररेडी बन हर कार्य में जी हज़ूर हाज़िर कहता !!

मेरा बाबा शुक्रिया बाबा !!

ॐ शान्ति !!!